

## भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग (हिन्दी) मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय



गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के 'भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग' की स्थापना 2011 में हुई। विभाग के अंतर्गत हिंदी साहित्य में सत्र 2012-13 से एम्. ए. एवं पीएच. डी. पाठ्यक्रमों का सञ्चालन किया जा रहा है। विभाग में हिंदी साहित्य के योग्य, प्रशिक्षित एवं निपुण शिक्षक हैं जो विभाग के प्रारम्भ से ही अध्ययन- अध्यापन को दिशा प्रदान कर रहे हैं।

साहित्य हमेशा से अपनी प्रगतिशीलता और सृजनात्मकता से समाज को प्रभावित करता रहा है। हिंदी साहित्य के छात्रों और शिक्षकों में इस परंपरा को विकसित करने हेतु विभाग में नियमित व्याख्यान, रचनात्मक लेखन और विभिन्न अवसरों पर संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है।

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम में परंपरागत और नए विषयों के समन्वय द्वारा एक संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है। नए पाठ्यक्रमों में 'हिन्दी डायस्पोरा', 'सिनेमा और साहित्य', 'सृजनात्मक लेखन', 'तुलनात्मक अध्ययन', 'स्त्री-विमर्श', 'दलित विमर्श', तथा 'लोक साहित्य' को सम्मिलित किया गया है। जिससे विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित नेट एवं जे.आर.एफ. तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का सुअवसर प्राप्त होता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को अध्यापन-क्षेत्र, रंगमंच एवं सिनेमा, पत्रकारिता एवं जनसंचार, भारतीय प्रशासनिक सेवा में रोजगार का अवसर प्रदान करता है तथा मानवीय मूल्यों की ओर उन्मुख करता है।

हिंदी पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रम-

1. एम्. ए. हिंदी  
कुल सीटों की संख्या- 30
2. पीएच. डी. हिंदी (पूर्णकालिक विद्यार्थियों के लिए / एवं उद्यमरत विद्यार्थियों के लिए)  
कुल सीटों की संख्या- उपलब्धता के आधार पर